नईदुनिया

रूसी राजनयिक ने पीएम मोदी को दौरे को बताया महत्वपूर्ण कहा- यह ऐतिहासिक और खेल बदलने वाला था

मॉस्को ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के दो दिवसीय दौरे के बाद अब ऑस्ट्रिया पहुंच गए। पीएम मोदी के रूस दौरे को लेकर रूसी राजनयिक रोमन बाबुश्किन ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बैठक ऐतिहासिक और खेल बदलने वाला था। रूसी राजनयिक ने बताया कि पीएम मोदी का रूस दौरा पूरे विश्व ने देखा और इससे यह साबित होता है कि उनका यह दौरे कितना महत्वपूर्ण था। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच वार्ता के एक दिन बाद रूसी राजनयिक रोमन बाबुश्किन ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मॉस्को दौरा पूरे विश्व ने देखा था और यह इस बात का सबूत है कि यह दौरा कितना महत्वपूर्ण था। उन्होंने आगे बताया कि दोनों नेताओं के बीच भारत-रूस के व्यापार और आर्थिक संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा हुई। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच बातचीत के परिणामों पर प्रकाश डालते हुए रोमन बाबुश्किन ने कहा, भारत और रूस ने राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग करके द्विपक्षीय भुगतान प्रणाली को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। भारत की मांग पर रूस अपनी सेना में भर्ती किए भारतीय नागरिकों को वापस भेजने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, इस मामले में हम भारत के साथ है। हमें उम्मीद है कि इसे जल्द सुलझा लिया जाएगा। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष रूसी सेना में भारतीयों के फंसे होने का मुद्दा उठाए जाने के बाद रूस ने रूसी सेना में कार्यरत सभी भारतीयों को बर्खास्त करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि कई भारतीयों को धोखा देकर रूसी सेना में भर्ती करने का खुलासा हुआ था। दर्जनों भारतीय रूसी सेना में फंसे हैं और कई भारतीय रूस-यूक्रेन युद्ध में मोर्चे पर तैनात हैं। पीएम मोदी का रूस दौरा पीएम मोदी दो दिवसीय दौरे पर मॉस्को पहुंचे। रूस के यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू करने के बाद से पीएम मोदी की यह रूस की पहली यात्रा है। रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव ने हवाई अड्डे पर पीएम मोदी स्वागत किया। प्रधानमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर उनसे मुलाकात की। प्रधानमंत्री राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता में भाग लिए और मॉस्को में 22वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन में भी शामिल हुए।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की परेशानी बढ़ी, अदालत ने दंगा मामले में अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कीं

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब यहां कि एक आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने खान की नौ मई को भड़की हिंसा के तीन मामलों में अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख खान पर पिछले साल नौ मई को लाहौर कॉर्प्स कमांडर हाउस जिसे जिन्ना हाउस, अस्करी टॉवर और शादमान पुलिस स्टेशन के नाम से जाना जाता है, पर हमलों के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। दरअसल, उनके समर्थकों ने पिछले साल मई में कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया था। अमेरिका के इस हमले से की तुलना एटीसी लाहौर के न्यायाधीश खालिद अरशद ने खान को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया और तीन मामलों में उनकी याचिकाओं को खारिज कर दिया। अभियोजन पक्ष ने नौ मई की हिंसा की तुलना 2021 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों द्वारा किए गए हमलों से की।अभियोजन पक्ष ने कहा कि पुलिस को तीनों मामलों की जांच पूरी करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री को हिरासत में लिया जाना जरूरी है। 200 से अधिक केस दर्ज बता दें, क्रिकेटर से नेता बने 71 वर्षीय इमरान खान के खिलाफ 200 से अधिक मामले दर्ज हैं और वह पिछले साल अगस्त से रावलपिंडी की अदियाला जेल में हैं। आएगा पूरा फैसला एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, न्यायाधीश अरशद ने शाम सात बजे एक आदेश सुनाया, जिसे उन्होंने अभियोजन और याचिकाकर्ता के वकीलों की अंतिम दलीलें सुनने के बाद छह जुलाई को सुरक्षित रख लिया था। खान की कानूनी टीम के अदालत में मौजूद नहीं होने के कारण न्यायाधीश ने फैसला किया कि अदालत एक संक्षिप्त आदेश सुनाएगी।

अमेरिका में तूफान बेरिल के कारण 23 लाख घरों की बिजली हुई गुल, मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 18

वॉशिंगटन। दक्षिणी अमेरिका में बेरिल नामक तूफान ने भारी तबाही मचा रखी है। इसे उत्तर-

उष्णकटिबंधीय चक्रवात घोषित किया कर दिया गया। अब तक यह तूफान लगभग 18 लोगों की जान ले चुका है। वहीं भी आठ लोगों की तूफान के कारण मौत हुई। वहीं इस तूफान के कारण लगभग 2.3 मिलियन लोगों के घरों की बिजली गुल रही। बीते सप्ताह कैरेबियन सागर में बेरिल तूफान आया। जो कि अब तक की सर्वाधिक तीव्रता वाला, श्रेणी 5 का तूफान था। इस तूफान की चपेट में आकर अब तक लगभग 18 लोगों की जान जा चुकी है। यह तूफान टेक्सास में श्रेणी 1 के रूप में प्रवेश कर गया। जहां इसने लगभग 7 लोगों को अपनी चपेट में लिया, वहीं पड़ोसी लुइसियाना में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पेड़ गिरना और बाढ़ आने से आठ लोग मारे गए। इसे उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात नाम दिया गया। तूफान के बाद क्षतिग्रस्त विद्युत ग्रिडों के कारण टेक्सास में लगभग 2.2 मिलियन घरों में बिजली नहीं थी। वहीं लुइसियाना में भी 14,000 घरों में बिजली नहीं थी। निवासियों के लिए वातानुकूलित आश्रय स्थल स्थापित किए गए, हालांकि कर्मचारी सेवाएं दुरुस्त करने में लगे रहे। अलग-अलग स्थानों पर हुई मौतें 2.3 मिलियन की आबादी वाला विशाल शहर ह्यूस्टन, तूफानी हवाओं और बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। हैरिस काउंटी के शेरिफ एड गोंजालेज ने बताया कि घरों पर पेड़ गिरने की अलग-अलग घटनाओं में 53 वर्षीय पुरुष और 74 वर्षीय महिला की मौत हो गई।

अमेरिका में तूफान बेरिल के कारण 23 लाख घरों की बिजली हुई गुल, मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 18

वॉशिंगटन। दक्षिणी अमेरिका में बेरिल नामक तूफान ने भारी तबाही मचा रखी है। इसे उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात घोषित किया कर दिया गया। अब तक यह तूफान लगभग 18 लोगों की जान ले चुका है। वहीं भी आठ लोगों की तूफान के कारण मौत हुई। वहीं इस तूफान के कारण लगभग 2.3 मिलियन लोगों के घरों की बिजली गुल रही। बीते सप्ताह कैरेबियन सागर में बेरिल तूफान आया। जो कि अब तक की सर्वाधिक तीव्रता वाला, श्रेणी 5 का तूफान था। इस तूफान की चपेट में आकर अब तक लगभग 18 लोगों की जान जा चुकी है। यह तूफान टेक्सास में श्रेणी 1 के रूप में प्रवेश कर गया। जहां इसने लगभग 7 लोगों को अपनी चपेट में लिया, वहीं पड़ोसी लुइसियाना में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पेड़ गिरना और बाढ़ आने से आठ लोग मारे गए। इसे उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात नाम दिया गया।

उपराष्ट्रपति हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप पर लगाए गंभीर आरोप कहा- वह लोकतंत्र को तानाशाही में बदलना चाहते हैं

वॉशिंगटन ।

अमेरिका में पांच नवंबर को चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे पर हमलावर हैं। इस बीच, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एक बार फिर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी के संभावित उम्मीदवार ट्रंप अमेरिकी लोकतंत्र को तानाशाही में बदल देंगे।

एएएनएसपीआई किया लॉन्च

हैरिस ने लास वेगास में बाइडन-हैरिस के लिए एक एएएनएसपीआई लॉन्च किया है। यह एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जो देश भर में एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईयन और प्रशांत द्वीप समूह (एएनएसपीआई) मतदाताओं, समुदायों और नेताओं को एक साथ एक मंच पर लाएगा।

इस दौरान उन्होंने कहा, डोनाल्ड ट्रंप हमारे लोकतंत्र को तानाशाही में बदलना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मूल रूप से घोषणा की है कि वह इससे बच सकते हैं।

ट्रंप लगाए गंभीर आरोप

हैरिस ने आरोप लगाया कि ट्रंप के सलाहकारों ने 900 पन्नों का एक खाका तैयार किया है। इसे प्रोजेक्ट 2025 बताया जा रहा है। इसमें दूसरे कार्यकाल में उनके द्वारा की जाने वाली अन्य सभी योजनाओं का ब्योरा है, जिसमें सामाजिक सुरक्षा में कटौती, इंसुलिन पर 35 अमेरिकी डॉलर की सीमा को हटाना, शिक्षा विभाग और हेड स्टार्ट जैसे कार्यक्रमों को समाप्त करना शामिल है।

उन्होंने आगे कहा, प्रोजेक्ट 2025 में गर्भनिरोधक तक पहुंच को सीमित करने और संसद के एक अधिनियम के साथ या उसके बिना देश भर में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने की योजना की रूपरेखा तैयार की गई है। यदि इसे लागू किया जाता है, तो यह योजना डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रजनन स्वतंत्रता पर नया हमला होगा।

महिलाओं को पता है उनका हित

उपराष्ट्रपति ने लोगों की तालियों की गूंज के बीच कहा, कोई गलती न करें, अगर ट्रंप को मौका मिलता है तो वह हर एक राज्य में गर्भपात को गैरकानूनी घोषित करने के लिए राष्ट्रीय गर्भपात प्रतिबंध पर हस्ताक्षर करेंगे। लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे क्योंकि हम महिलाओं पर भरोसा करते हैं। हम जानते हैं कि महिलाएं जानती हैं कि उनके अपने हित में क्या है और उन्हें सरकार द्वारा यह बताए जाने की जरूरत नहीं है कि उन्हें अपने शरीर के साथ क्या करना है।

अपनी मां से जुड़ा किस्सा बताया

उन्होंने कहा, मेरी मां उस समय भारत से अमेरिका आई थीं, जब मैं महज 19 साल की थीं। वह और मेरे पिता नागरिक अधिकार आंदोलन में सक्रिय होने के दौरान मिले थे। वास्तव में, जब मैं छोटी थी तो मेरे माता-पिता मुझे स्ट्रोलर में मार्च में ले जाते थे। मेरी मां के जीवन में दो लक्ष्य थे। एक अपनी दो बेटियों मैं और मेरी बहन माया को बड़ा करना और दूसरा स्तन कैंसर को समाप्त करना। वह एक स्तन कैंसर शोधकर्ता थीं। अगर मैं सच कहूं तो मेरी मां ने अपने सपनों को पूरा करने के लिए कभी किसी की अनुमति नहीं मांगी।

हैरिस ने बताया कि उनकी मां की लंबाई पांच फीट थीं। हालांकि, अगर आप उनसे मिलते तो आपको लगता कि वह 10 फीट लंबी हैं। यह उनके चरित्र, ताकत और दृढ़ संकल्प के कारण ही मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति के रूप में आपके सामने खड़ी हूं।

चुनाव में 118 दिन बाकी

उन्होंने कहा कि यह हमारी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। उन्होंने कहा, चुनाव में 118 दिन रह गए हैं। हममें से कई हर चार साल में इन चुनावों में शामिल होते हैं और लगभग हर बार हम कहते हैं, यही वह चुनाव है। खैर, यह हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। अब, हम हमेशा जानते थे कि यह चुनाव कठिन होगा। पिछले कुछ दिन याद दिलाते रहे हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए दौड़ना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन एक बात जो हम अपने राष्ट्रपति जो बाइडन के बारे में जानते हैं, वह यह है कि वह एक योद्धा हैं।

निक्की हेली के समर्थक रिपब्लिकन प्रतिनिधि अब ट्रंप का देंगे साथ मजबूत होगा पूर्व राष्ट्रपति का दावा

वॉशिंगटन ।

रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने कई दर्जन प्रतिनिधियों (डेलीगेट्स) की सूची जारी की है। भारतीय-अमेरिकी नेता ने इनका समर्थन इस साल की शुरुआत में पार्टी के राष्ट्रपति पद के प्राथमिक चुनावों के दौरान संभावित उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के लिए जुटाया था।

जुलाई में होगा रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन

हेली का यह कदम विस्कॉन्सिन के मिल्वौकी में जुलाई में होने वाले रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन (आरएनसी) से पहले आया है। बता दें कि इस सम्मेलन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए औपचारिक रूप से नामित किया जाएगा।

बाइडन दूसरे कार्यकाल के लिए सक्षम नहीं

रिपब्लिकन नेता ने कहा, नामांकन सम्मेलन रिपब्लिकन एकता का समय है। जो बाइडन दूसरे कार्यकाल के लिए सक्षम नहीं हैं। वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकेंगे। अगर उनकी जगह कमला हैरिस आती हैं तो अमेरिका के लिए यह एक आपदा होगी।

एक ऐसे राष्ट्रपति की आवश्यकता...

उन्होंने आगे कहा, हमें एक ऐसे राष्ट्रपति की आवश्यकता है जो हमारे दुश्मनों को जवाबदेह ठहराए, हमारी सीमाओं को सुरक्षित करे, हमारे कर्ज में कटौती करे और हमारी अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाए। मैं अपने प्रतिनिधियों को अगले सप्ताह मिल्वौकी में डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करती हूं। किसने कितना समर्थन जुटाया निक्की हेली ने 97 डेलीगेट का समर्थन हासिल किया था, जबकि बाइडन को 2,265 डेलीगेट मिले थे। राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन जीतने के लिए एक उम्मीदवार को 1,215 प्रतिनिधियों के समर्थन की जरूरत है। उन्होंने मार्च में अपना प्रचार अभियान स्थगित कर दिया था। हेली आरएनसी में नहीं होंगी शामिल संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत और दक्षिण कैरोलिना की गवर्नर हेली आरएनसी में शामिल नहीं हो रही हैं। उनके प्रवक्ता चेनी डेंटन का कहना है कि उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया है। वह इस फैसले के साथ ठीक है।

अमेरिका में भारत दिवस की परेड में पहली बार दिखेगी राम मंदिर की झलक

वॉशिंगटन ।

भारत के स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक परेड होने वाली है। न्यूयॉर्क में भारत दिवस के मौके पर 18 अगस्त को होने वाली परेड में लोगों को एक खास झांकी देखने को मिलेगी। दरअसल, इसमें राम मंदिर की प्रतिकृति प्रदर्शित की जाएगी। इसमें शहर और उसके आसपास से हजारों भारतीय-अमेरिकी शामिल होंगे। प्रवासी भारतीयों की अग्रणी संस्था फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन एनवाई-एनजे-सीटी-एनई (एफआईए) ने यहां भारतीय महावाणिज्य दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि 18 अगस्त को होने वाली 42वीं वार्षिक भारत दिवस परेड में विशेष राम मंदिर की झांकी का प्रदर्शन किया जाएगा। एफआईए ने बताया कि प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता पंकज त्रिपाठी परेड में मुख्य अतिथि होंगे। यह परेड न्यूयॉर्क शहर के लोकप्रिय मैडिसन एवेन्यू से होकर गुजरेगी और इसमें हजारों भारतीय प्रवासी शामिल होंगे। क्या है भारत दिवस परेड भारत दिवस परेड का आयोजन हर साल फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन की ओर से आयोजित किया जाता

है। भारतीय स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यह भारत से बाहर होने वाला बड़ा आयोजन माना जाता है। इस परेड में विभिन्न भारतीय-अमेरिकी समुदायों और संस्कृति की विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाली दर्जनों झांकियां न्यूयॉर्क की सड़कों पर देखी जाती हैं। इस दौरान भारतीय लोग झांकियों का सड़क पर स्वागत करते हैं और तिरंगा लहराते हैं। भारत की महान संस्कृति का प्रदर्शन न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने कहा कि वाणिज्य दूतावास परेड का समर्थन करेगा और न्यूयॉर्क तथा अमेरिका में भारत की महान संस्कृति का प्रदर्शन करेगा। इतनी लंबी होगी प्रतिकृति एफआईए के अध्यक्ष डॉ. अविनाश गुप्ता ने बताया कि इस बार परेड की थीम वसुधैव कुटुम्बकम है।

नाटो सम्मेलन में बाइडन ने की यूक्रेन को हवाई रक्षा उपकरण देने की घोषणा, कहा- रूस युद्ध में विफल हो रहा

वॉशिंगटन ।

अमेरिका में नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) शिखर सम्मेलन शुरू हो गया। इस सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन की सहायता के लिए एक नई घोषणा की। रूस-यूक्रेन के संघर्ष के बीच उन्होंने यूक्रेन को हवाई रक्षा उपकरण दान में देने की घोषणा करते हुए कहा कि रूस इस युद्ध में विफल हो रहा है। नाटो शिखर सम्मेलन के 75वीं वर्षगांठ के मौके पर राष्ट्रपति बाइडन ने बताया कि अमेरिका, जर्मनी, नीदरलैंड, रोमानिया और इटली यूक्रेन को पांच अतिरिक्त रणनीतिक वायु-रक्षा प्रणालियों के लिए उपकरण प्रदान करेंगे।

राष्ट्रपति बाइडन का यूक्रेन को समर्थन

शिखर सम्मेलन में नाटो सदस्यों का स्वागत करते हुए जो बाइडन ने कहा कि आने वाले महीनों में अमेरिका और उसके साझेदार यूक्रेन को दर्जनों अतिरिक्त वायु-रक्षा प्रणालियां प्रदान करेंगे। उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा, जब हम महत्वपूर्ण वायु-रक्षा इंटरसेप्टर निर्यात करेंगे तो युद्ध में यूक्रेन

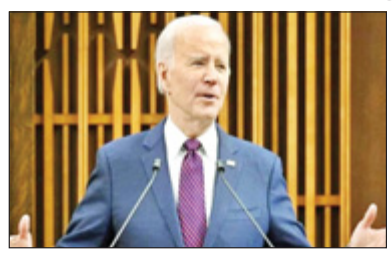

आगे निकल जाएगा। किसी अन्य को मिलने से पहले उन्हें यह सहायता मिलेंगी। अगले साल तक यूक्रेन को सैकड़ों अतिरिक्त इंटरसेप्टर मिलेंगे। इससे यूक्रेनी सैनिक रूसी हमलों का डटकर जवाब दे सकेंगे। बाइडन ने रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर टिप्पणी भी की। उन्होंने कहा, रूस इस युद्ध में विफल हो रहा है। इस युद्ध में दो से अधिक वर्ष हो गए। इस युद्ध में रूस की हार चौंका देने वाली है। 350,000 से ज्यादा रूसी सैनिक या तो मारे गए या फिर घायल हो गए। दस लाख से भी अधिक रूसी नागरिक, जिनमें ज्यादातर युवा थे, रूस छोड़कर भाग गए। इसका कारण यह है कि वे रूस में अपना भविष्य नहीं देखना चाहते थे। उन्होंने रूस पर तंज कसते हुए आगे कहा, दोस्तों क्या आपको याद है, कीव को दो दिनों के भीतर गिराने की बात की गई थी, लेकिन दो से ढाई साल बाद भी वह वहीं है। सभी साझेदारों को यह लगता था कि इस युद्ध से पहले नाटो टूट जाएगा। आज इतिहास में नाटो सबसे ज्यादा मजबूत है। जब इस युद्ध की शुरुआत हुई थी तब यूक्रेन एक मुक्त राष्ट्र था और आज भी वह एक मुक्त राष्ट्र ही है। रूस के राष्ट्रपति पर साधा निशाना राष्ट्रपति बाइडन ने रूस पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर निशाना साधा। बाइडन ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति यूक्रेन को नष्ट करना चाहते हैं। वह इसकी संस्कृति, और लोकतंत्र को मिट्टी में मिलाना चाहते हैं और देश को नक्शे से हटाना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें मालूम है कि पुतिन केवल यूक्रेन पर नहीं रुकेंगे। बिना कोई गलती किए यूक्रेन पुतिन को रोक सकता है और रोकेगा। उन्होंने यूक्रेन पर भरोसा जताते हुए कहा कि यूक्रेन इस युद्ध को एक मुक्त राष्ट्र के तौर पर ही खत्म करेगा।

सिंगापुर में दो भारतवंशियों को सजा, 50 कंपनियों के जरिए लोगों से ठगे थे लाखों डॉलर

सिंगापुर ।

दो भारतीय मूल के सिंगापुरी नागरिकों को ठगी के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई। दोनों ने लगभग 50 कंपनियों के जरिए बैंक खातों के जरिए पैसे लूटे। इनमें से दो कंपनियों के जरिए चीन और यूएई से भी लेनदेन किया था। पिछले चार-पांच सालों से ये लोग कंपनियों के नाम पर लोगों से पैसे ठग रहे थे।

34 वर्षीय ईशान शर्मा और 36 वर्षीय कंधीबन लेचुमननसामी को अमेरिका में पीड़ितों को ठगने के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई। ईशान को चार सप्ताह की सजा और कंधीबन को एक सप्ताह की जेल की सजा सुनाई गई। दोनों ही कंपनी अधिनियम के तहत दो आरोपों में दोषी पाए गए। आरोप था कि दोनों ने लगभग 50 कंपनियों के जरिए बैंक खातों से पैसे प्राप्त किए थे, जिनमें से दो कंपनियों ने चीन और यूएई से भी लेनदेन किया था।

ईशान ने अपने दोस्त कंधीबन लेचुमननसामी को उचित परिश्रम न करने के लिए उकसाया था, जबकि वह दोनों फर्मों में निदेशक था। कंधीबन ने कंपनियों के मामलों पर कोई निगरानी रखने में विफल रहने के बाद अपने को दोषी स्वीकार किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अदालती दस्तावेजों में यह नहीं बताया गया है कि अपराध कैसे सामने आए। वहीं उप लोक अभियोजक मैथ्यू चू ने अदालत में कहा कि इस सब में मास्टर माइंड ईशान था। उन्होंने कहा कि अपराधी ने उन दो कंपनियों के जरिए घपला कर कुल 12,000 सिंगापुरी डॉलर कमाए। 2019 और 2020 के बीच अपराधों के समय ईशान एक चार्टर्ड अकाउंटेंट थे। 2017 में, उन्हें पता चला कि कंधीबन बेरोजगार थे और उन्होंने वृद्ध व्यक्ति को कार्मिक सर्किल नामक एक फर्म में 500 सिंगापुरी डॉलर के मासिक वेतन पर नौकरी की पेशकश की। कंधीबन को

निगमित कंपनियों के निदेशक रखा जाना था। वह इस सौदे के लिए सहमत हो गए।

डीपीपी चू ने कहा: कंधीबन समझ रहे थे कि उन्हें एक मूक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। उनका कंपनियों के संचालन और गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं था। ईशान के साथ अपनी व्यवस्था के कारण, कंधीबन 2019 और 2020 के बीच 50 से अधिक कंपनियों के सूचीबद्ध निदेशक बन गए। फिर जून 2019 से कुछ समय पहले आशीष नंदा नामक एक व्यक्ति ने ईशान को भारतीय नागरिक राहुल बत्रा से मिलवाया। आशीष ने ईशान को बताया कि राहुल सिंगापुर में एक कंपनी बनाना चाहता है।

इसके बाद ईशान ने क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के निगमन के लिए आगे बढ़ने से पहले राहुल से दो बार फोन पर संपर्क किया। अभियोक्ता ने कहा, क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के निगमन के बाद जून 2019 में ईशान और कंधीबन ने राहुल से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। जहां राहुल ने ईशान को दी गई सेवाओं और क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के कॉर्पोरेट खाते खोलने के लिए नकद में 6,000 सिंगापुरी डॉलर का भुगतान किया।

इसके बाद कंधीबन ने क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के नामित निदेशक बनने के लिए राहुल के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में एक खंड में कहा गया था कि कंधीबन को फर्म के प्रबंधन और संचालन में शामिल नहीं होना चाहिए। क्वार्ट्ज रिसोर्सेज को 7 जून, 2019 को शामिल किया गया था, और ईशान के घर को इसके पंजीकृत कार्यालय के पते के रूप में दर्ज किया गया था। वहीं कंधीबन और राहुल को इसके निदेशक के रूप में जबकि ईशान को इसके सचिव के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। उस महीने के अंत में, क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के नाम से तीन कॉर्पोरेट बैंक खाते खोले गए, जिसमें राहुल उनके एकमात्र हस्ताक्षरकर्ता थे। डीपीपी ने कहा कि कंधीबन के पास बैंक स्टेटमेंट तक पहुंच नहीं थी, उसने स्टेटमेंट का अनुरोध नहीं किया और खातों के माध्यम से किए गए लेन-देन की समीक्षा भी नहीं की।

क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के दो बैंक खातों में बाद में पांच घोटाले के पीड़ितों से 583,000 सिंगापुरी से अधिक प्राप्त हुए। ईशान और कंधीबन ने किओरा वर्ल्डवाइड से जुड़े इसी तरह के कई अपराध किए। जिसे 3 नवंबर, 2019 को शामिल किया गया था। इस मामले में अदालत बताया गया कि नवंबर 2019 से कुछ समय पहले, आशीष ने ईशान को एक अन्य भारतीय नागरिक वधावन सुचित से मिलवाया। ईशान ने वधावन से व्यक्तिगत रूप से नवंबर 2019 में किओरा वर्ल्डवाइड के शामिल होने के बाद ही मुलाकात की। वधावन ने उन्हें सेवाओं सहित अन्य मदों के लिए नकद में 6,000 सिंगापुर डॉलर का भुगतान किया।

कांधीबन और वधावन को किओरा वर्ल्डवाइड के निदेशक के रूप में रखा गया। जबकि ईशान को इसके सचिव के रूप में रखा गया। किओरा वर्ल्डवाइड के दो बैंक खातों में बाद में तीन घोटाले के पीड़ितों से लगभग 480,000 अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए। किओरा वर्ल्डवाइड और क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के बैंक खातों में प्राप्त धन को चीन और संयुक्त अरब अमीरात सहित देशों में अन्य कंपनियों के खातों में भेज दिया गया। घोटाले की आय वापस नहीं मिली।